हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 309 देहरादून सोमवार 02 फरवरी 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

बजट 2026-27 से देश और राज्यों के विकास को मिलेगी नई दिशा : मुख्यमंत्री धामी

- सीएम धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शानदार बजट के लिए बधाई दी

देहरादून संवाददाता. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट देश और राज्यों के विकास को नई दिशा देने के साथ ही सभी वर्गों के लिए अवसरों को बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में आर्थिक विकास तेज करने, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और सबका साथ सबका विकास सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को विकासोन्मुखी और समावेशी बजट के लिए बधाई देते हुए कहा कि किसानों, महिलाओं, वंचितों, युवाओं, छोटे उद्यमियों और पिछड़े वर्ग पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, उद्योग और अवसंरचना के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। ये पूरे देश के साथ उत्तराखंड के लिए भी लाभकारी साबित होंगे और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएंगे। बजट में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के लिए पर्यावरण-अनुकूल माउंटेन ट्रेल्स विकसित करने की योजना है। उत्तराखंड के परिपेक्ष में बजट ने पर्यटन और बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया है, जो विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसानों, पशुपालन, उच्च मूल्य कृषि, पर्यटन और एमएसएमई के लिए किए गए बजट प्रावधान राज्य की ग्रामीण और पर्वतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में पर्यावरण और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और बायोफार्मा क्षेत्र में किए गए निवेश से राज्य और देश दोनों का दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित होगा।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह बजट सबका साथ, सबका विकास और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार बजट में घोषित योजनाओं और प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए केंद्र सरकार के साथ पूरी तरह सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बजट न केवल देश की आर्थिक ताकत को बढ़ाएगा, बल्कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों को भी समान रूप से विकास के अवसर देगा।

सेकेंड हैंड कार के सौदे में 16 लाख की धोखाधड़ी में मुकदमा

देहरादून संवाददाता. पटेलनगर थाना क्षेत्र में पुरानी कारों के खरीद-बिक्री का कारोबार करने वाले एक व्यापारी से महिंद्रा स्कार्पियो-एन के सौदे में करीब 16 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने फर्जी आईडी दिखाकर और खुद को वाहन का असली मालिक बताकर फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ षडयंत्र और धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि शिमला बाईपास रोड स्थित क्लासिक कार बाजार के संचालक शम्मी अहमद ने तहरीर दी। बताया कि उनकी पहचान रविंद्र कुमार नाम के एजेंट के जरिए कुछ लोगों से हुई थी। आरोपियों ने खुद को रुद्रपुर निवासी गुरसेवक और विमल बताते हुए सफेद रंग की स्कार्पियो-एन का सौदा 16.10 लाख रुपये में तय किया। भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने असली दस्तावेज दो चाबियां और आधार कार्ड दिखाए। पीड़ित के अनुसार उन्होंने आरटीजीएस और नकद मिलाकर कुल 15.85 लाख रुपये का भुगतान कर दिया।

आमजन के कल्याण को ध्यान में रखते हुए यह केंद्रीय बजट तीन संकल्पों से सुसज्जित : डॉ. नरेश बंसल

देहरादून संवाददाता. भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल जी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 को शानदार, दमदार, आम आदमी की सोच वाला तथा विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने वाला बताया है। डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण रहा, क्योंकि आजाद भारत के इतिहास में पहली बार केंद्रीय बजट रविवार के दिन प्रस्तुत किया गया। यह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी का लगातार नौवां बजट रहा, जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली देश की पहली महिला वित्त मंत्री बन गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का यह 15वां बजट है। भाजपा-नीत एनडीए सरकार के कार्यकाल में निरंतर आर्थिक विकास और नियंत्रित महंगाई देखने को मिली है।डॉ. बंसल ने कहा कि आमजन के कल्याण को ध्यान में रखते हुए यह केंद्रीय बजट तीन संकल्पों से सुसज्जित है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी ने वित्त वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया, जिसका कुल आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये है, जबकि पिछले वर्ष का बजट 50.65 लाख करोड़ रुपये का था।डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2021-22 में किए गए अपने वादे को पूरा किया है, जिसके तहत वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को ळक्च् के 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा ळक्च् का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो बजट अनुमान (ठम्) के अनुरूप है। वर्ष 2026-27 में यह और घटकर ळक्च् का 4.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। सरकार ने थ्ल्27 के लिए कर्ज-ळक्च् अनुपात 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। थ्ल्27 में 11.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया जाएगा। 16वें वित्त आयोग की 41 प्रतिशत हिस्सेदारी की सिफारिश को भी स्वीकार किया गया है।डॉ. बंसल ने कहा कि गरीब कल्याण के संकल्प के साथ तैयार किया गया यह बजट शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास को हर घर तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता को दोहराता है। यह बजट ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है, जहाँ अवसर सभी की पहुँच में होंगे। पिछड़ों, दलितों और वंचित वर्गों के लिए विशेष योजनाओं का प्रावधान यह सुनिश्चित करता है कि विकास की इस यात्रा में कोई भी पीछे न छूटे। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना और 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल के समन्वय से ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि वित्त मंत्री जी ने बजट में उल्लेख किया है कि भारत में वर्ल्ड क्लास ट्रैकिंग की जब भी चर्चा होगी, उत्तराखंड का नाम शीर्ष पर होगा। मोदी सरकार एवं राज्य सरकार का विजन दुर्गम मार्गों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने का है। यह केवल एडवेंचर टूरिज्म नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने का एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। उन्होंने कहा कि यह बजट और इससे जुड़ी योजनाएँ देश की बहनों को 'आर्थिक शक्ति' बनाने के लिए समर्पित हैं।डॉ. बंसल ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालते हुए मोदी सरकार द्वारा ब्वदजमदज ब्तमंजवत स्ंइ का प्रस्ताव 'विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण निवेश है। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू होगा। देश के प्रत्येक जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार...

निधन पर शोक व्यक्त किया

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार अनुपम त्रिवेदी की माताजी गीता त्रिवेदी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार अनुपम त्रिवेदी की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

केंद्रीय बजट में तीन नए एम्स का ऐलानः डॉ धन सिंह रावत

-फार्मा क्षेत्र को गति देगी बायोफार्म शक्ति योजना, दवा उत्पादन में होगी वृद्धि

देहरादून संवाददाता. सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने बताया कि केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य व मेडिकल शिक्षा के लिये बड़े और ऐतिहासिक निर्णय लिये गये हैं। देश में तीन नये एम्स की स्थापना, दो नये राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, तथा एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल संस्थानों की स्थापना का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये पाँच क्षेत्रीय मेडिकल हब विकसित किये जायेंगे, जो आधुनिक अस्पतालों, चिकित्सा शिक्षा एवं शोध सुविधाओं से युक्त इंटीग्रेटेड हेल्थ सेंटर्स के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि डायबिटीज, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से निपटने के लिये बायोफार्मा शक्ति योजना की घोषणा की गई है, जिसके अंतर्गत देश में बायोलॉजिक्स व बायोसिमिलर दवाओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे उपचार सस्ता और सुलभ हो सकेगा।

सम्पादकीय

भारत और ईयू में मुक्त व्यापार संधि

भारत-यूरोप के मध्य कारोबार को बूस्टर-डोज?

लगभग दो दशक की कवायद के बाद भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के मध्य मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) पर हस्ताक्षर हो गए। इस संधि के अमल में आने में यद्यपि थोड़ा समय लगेगा, लेकिन अमेरिका के टैरिफ युद्ध के मटमैले साये में यूरोपीय देशों के लिए भारत के विशाल बाजार के दरवाजे खुल गए हैं और कुछ ही बरसों में भारतीय बाजार यूरोपीय साजो-सामान से पट जाएंगे। इसके फलस्वरूप भारतीय उपभोक्ताओं को फ्रेंच वाइन समेत तरह-तरह की शराब और कारों के विकल्प सस्ती कीमतों पर उपलब्ध होंगे। भारतीय महिलाएँ इस बात पर इतराएँगी कि अब उन्हें यूरोपीय सौंदर्य प्रसाधन और परिधान बेहतर गुणवत्ता के साथ कम कीमतों पर मिल सकेंगे।गौरतलब है कि भारत और यूरोपीय यूनियन के मध्य एफटीए के लिए वार्ता की शुरुआत डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल में वर्ष 2007 में हुई थी। वर्ष 1992 में मास्ट्रिख्त संधि के बाद अगले ही वर्ष रोम में सात देशों की मौजूदगी में ईयू अस्तित्व में आया था। वर्ष 2009 में लिस्बन समझौते से इसे गति और विस्तार मिला। आज यूरोप-महाद्वीप के 27 देश इसके सदस्य हैं। बेल्जियम में इसका मुख्यालय है। इसका ध्येय-वाक्य हैख़ श्अनेकता में एकता्य। इसकी मुद्रा यूरो है, अपना राष्ट्रगान है और वैश्विक साख है। पाबंदियों और टैरिफ के अनिश्चित और नाजुक दौर में ईयू की महत्ता बढ़ गई है। इस बीच एक बड़ी घटना यह भी हुई कि यूके वर्ष 2020 में ईयू से बाहर हो गया, लिहाजा इस दूरगामी महत्व की संधि का लाभ उसे नहीं मिलेगा।ईयू की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हस्ताक्षरित एफटीए को भारत और यूरोप के मध्य कारोबार के लिहाज से श्मील का पत्थर्य माना जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के दंभ और धमकियों के दौर में इस संधि को यूरोपीय देशों की उद्योग-धंधों के लिए श्बूस्टर डोज्य कहा जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया एनर्जी वीक का आभासी उद्घाटन करते हुए कहा कि यह संधि श्सभी सौदों की जननी्य है। उनका कहना था कि यह डील भारत में कपड़ा, रत्न, आभूषण, चमड़ा और जूट जैसे विभिन्न क्षेत्रों को फायदा पहुँचाएगी। उन्होंने कहा कि यह करार भारत की उत्पादन क्षमता को सुदृढ़ करेगा और सर्विस सेक्टर को नया संबल देगा।इस महत्वपूर्ण संधि के तत्काल लागू न होने का कारण यह है कि पहले ईयू के सदस्य देशों की भाषाओंख़जैसे फ्रेंच, जर्मन, इतालवी आदिख़में इसका कानूनी दस्तावेज प्रकाशित होगा और फिर सभी धाराओं की सदस्य देशों में श्लीगल स्क्रबिंग्य होगी। तत्पश्चात यूरोपीय परिषद की औपचारिक मंजूरी और यूरोपीय संसद की सहमति आवश्यक है। इसके बाद भारतीय संसद की पुष्टि के उपरांत यह संधि लागू होगी। इन प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद इसके इस वर्ष के भीतर अमल में आने की उम्मीद की जा सकती है।अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ पुष्परंजन मानते हैं कि इस बूस्टर डोज से ईयू के सदस्य देशों को बहुविध लाभ होगा। उनका मानना है कि भारत ने किसी भी व्यापारिक सहयोग को इतनी बड़ी ट्रेड ओपनिंग पहले कभी नहीं दी। उनकी बात की पुष्टि यूरोपीय कमीशन के आधिकारिक बयान से होती है। इससे यूरोपीय देशों के माल की भारतीय बाजारों में पहुँच और खपत आसान हो जाएगी। कमीशन ने एक चार्ट के जरिये वर्ष 2024 के आकलन के आधार पर बताया है कि मशीनरी और इलेक्ट्रिक उपकरणों पर उसे 16.3 बिलियन यूरो टैरिफ देने पड़े थे। अब इसके शून्य होने से बड़ा लाभ होगा। इसी तरह विमान और अंतरिक्ष यान निर्यात पर प्रदत्त 11 प्रतिशत के मान से 6.4 अरब यूरो की बचत होगी।कल्पना कीजिए कि मशीनरी पर 44 प्रतिशत, रसायनों पर 22 प्रतिशत और फार्मास्यूटिकल्स पर 11 प्रतिशत टैरिफ यदि शून्य हो जाता है, तो यूरोपीय कंपनियों को कितना मुनाफा होगा। ऑप्टिकल, मेडिकल और सर्जिकल उपकरणों पर 27.5 प्रतिशत टैरिफ यदि हट जाए तो करीब तीन बिलियन यूरो बचेंगे। प्लास्टिक पर जीरो टैरिफ से दो बिलियन से अधिक की बचत होगी। यदि लोहे और इस्पात पर 22 प्रतिशत टैरिफ निरस्त होता है तो डेढ़ अरब यूरो से अधिक की बचत होगी। संधि से पहले पारस्परिक कारोबार से आठ लाख नौकरियों का समर्थन मिलता रहा है, अब इसमें भारी बढ़ोत्तरी होगी।

इस संधि से यूरोपीय किसानों की बाँछें खिलना स्वाभाविक है, क्योंकि एग्रो-फूड पर 36 प्रतिशत शुल्क में कमी से उन्हें बड़ा बाजार मिलेगा। संधि से मदिरा प्रेमी भी खुश होंगे, क्योंकि वाइन पर 150 प्रतिशत टैक्स घटकर 30 प्रतिशत पर आ जाएगा। बीयर पर टैक्स 110 प्रतिशत से 50 प्रतिशत होगा।

भारत के साथ व्यापार समझौता करने को व्याकुल सारे मुल्क

हरिशंकर व्यास

पूरी दुनिया की भू राजनीति में उथलपुथल है। पिछले आठ दशक से ज्यादा समय से अमेरिका के सबसे भरोसे के सहयोगी रहे यूरोपीय देशों का भरोसा टूटा है तो चीन और रूस जैसे अमेरिका के घोषित प्रतिद्वंद्वियों या दुश्मनों को भी नए सिरे से अपनी नीतियां बनाने की जरुरत महसूस हो रही है। ट्रंप भले दावा करें कि उन्होंने आठ युद्ध रुकवाए हैं, हकीकत यह है कि उन्होंने सात युद्ध शुरू किए हैं। सीरिया से लेकर लीबिया, नाइजीरिया, वेनेजुएला, ईरान तक अमेरिका ने बमबारी की है। उन्होंने कनाडा, वेनेजुएला और ग्रीनलैंड को अमेरिका के नक्शे का हिस्सा बता दिया है। दुनिया में इस समय युद्ध का खतरा मंडरा रहा है तो साथ साथ आर्थिक अनिश्चिततता भी गहरी होती जा रही है।राष्ट्रपति ट्रंप ने दुनिया भर के देशों के खिलाफ टैरिफ वार छेड़ा है। भारत के ऊपर भी 25 फीसदी जैसे को तैसा टैक्स और रूस से तेल खरीदने के वजह से 25 फीसदी का जुर्माना टैक्स लगाया है। इसके बावजूद दुनिया की भू राजनीतिक और वैश्विक व्यापार की हालत ने भारत के लिए बड़ा मौका बनाया है। ट्रंप की नीतियों से परेशान दुनिया के ज्यादातर देश भारत की ओर से देख रहे हैं। इसलिए नहीं कि भारत उनको कोई राहत दिला देगा। सबको पता है कि भारत ग्लोबल वर्ल्ड ऑर्डर में कहीं नहीं है। लेकिन 140 करोड़ से ज्यादा लोगों का बाजार होने की वजह से भारत की स्थिति सबसे लिए महत्वपूर्ण हो गई है।दुनिया भर के देशों को भारत में अपना सामान बेचना है। इसलिए दुनिया के सारे मुल्क भारत के साथ व्यापार समझौता करने को व्याकुल हैं। ब्रिटेन के साथ भारत की व्यापार संधि हो गई है। पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति अल नाह्यान भारत के दौरे पर आए तो दोनों देशों ने साझा व्यापार 25 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का समझौता है। वैसे अब भी यूएई के साथ भारत का कारोबार साढ़े 12 लाख करोड़ रुपए का है।यूरोपीय संघ के साथ भारत की मुक्त व्यापार संधि की सारी शर्तें तय हो गई हैं। अब इस संधि पर दस्तखत होने हैं। इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लियेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष भारत के मेहमान होंगे। 26 जनवरी की परेड के अगले दिन 27 जनवरी को यूरोपीय संघ के साथ अंतिम वार्ता होगी और व्यापार संधि हो जाएगी। इसे उर्सुला वॉन डेर ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। जाहिर है कि यह संधि बहुत बड़ी होगी और एक साथ यूरोप के 27 देशों के साथ भारत के आसान शर्तों पर व्यापार करने की स्थितियां बनेंगी।लेकिन सवाल है कि इतने देशों के साथ आसान शर्तों पर व्यापार की संधियों से भारत को क्या हासिल होगा?दुनिया के देशों को तो भारत का बाजार मिलेगा लेकिन भारत भी क्या उन देशों के बाजार में अपना कुछ बेच पाएगा? भारत के पास बेचने के लिए क्या है और जो है उसका बाजार कितना बड़ा है? असल में भारत ने अपने को निर्यातक बनाने की ठीक ढंग से तैयारी ही नहीं की। अगर आप बारीकी से देखेंगे तो भारत आज भी वही चीजें दुनिया को बेचता हुआ है, जो ढाई हजार साल पहले मौर्य काल में भी भारत बेचता था। जब सिल्क रूट से कारोबार होता था तब भी भारत वही सामान बेचता था, जो आज बेचता है। वही कपड़े, वही रत्न, वही मसाले भारत तब भी बेचता था और आज भी बेचता है। इसमें थोड़ी बहुत और चीजें जरूर जुड़ी हैं लेकिन ऐसी नहीं हैं, जिससे भारत एक बड़ा निर्यातक देश बन जाए। 180 साल पहले गिरमिटिया मजदूर बाहर गन्ने के खेतों में काम करने के लिए गए थे और आज आईटी के पेशेवर कुलीगिरी करने के लिए दुनिया भर के देशों मे जाते हैं।सो दुनिया के देशों के साथ हो रही व्यापार संधियों के बीच बड़ा सवाल यह है कि भारत में विनिर्माण क्रांति कैसे हो और भारत किन चीजों का उत्पादन बढ़ाए, जिसका वैश्विक बाजार बन सकता है और भारत में विदेशी मुद्रा का प्रवाह तेज हो? यह सवाल इसलिए है क्योंकि भारत में निवेशक नहीं आ रहे हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का पिछले चार महीने का आंकड़ा शुक्रवार, 23 जनवरी को छपा है। इसके मुताबिक नेट एफडीआई शून्य रहा है, पिछले चार महीनों में। इसका मतलब है कि जितना प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत में आया उससे ज्यादा भारत का पैसा निवेश होने के लिए विदेश गया। सो, नेट एफडीआई जीरो है। भारत का निर्यात का बिल हमेशा आयात बिल के मुकाबले बहुत कम होता है।

भारत चाबहार बंदरगाह से नाता तोड़ रहा

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि ईरान स्थित जिस चाबहार बंदरगाह परियोजना को चीन को नियंत्रित करने की भारत की पहल माना जाता था, उसका संचालन अब चीन के हाथ में ही जा सकता है!

चाबहार बंदरगाह सिर्फ कारोबारी लिहाज से अहम नहीं है, बल्कि इसके साथ भारत की भू-राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाएं भी जुड़ी हुई थीं। इसे पाकिस्तान के ग्वादार में चीन निर्मित बंदरगाह के जवाब के रूप में देखा जाता था। इसके अलावा चाबहार से भारत को मध्य एवं पश्चिम एशिया से होते हुए यूरोप तक ऐसा मार्ग मिलने की संभावना थी, जिसमें पाकिस्तान नहीं आता। इस लिहाज से यह भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक तथा वाणिज्यिक हित को सुरक्षित बनाने वाली परियोजना है। मगर अब अमेरिकी दबाव में भारत चाबहार बंदरगाह से नाता तोड़ रहा है।2018 में चाबहार में निर्माण कार्य आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने ईरान पर लगाए अपने प्रतिबंधों में विशेष छूट दी थी। तब समझा गया था कि चीन के पसरते पांवों पर लगाम लगाने के मुद्दे पर भारत और अमेरिका में रणनीतिक साझापन है। मगर बतौर राष्ट्रपति अपने दूसरे कार्यकाल में डॉनल्ड ट्रंप ने वह छूट वापस ले ली। कुछ समय बाद यानी बीते अक्टूबर में ट्रंप प्रशासन ने छह महीनों के लिए छूट की अवधि बढ़ाई। अब पता चला है कि यह समय विस्तार भारत को चाबहार परियोजना में हिसाब-किताब पूरा करते हुए अपना हाथ समेटने के लिए दिया गया। खबर है कि अमेरिका से बिना कोई प्रतिरोध जताए भारत समयसीमा के अंदर इस कार्य को पूरा कर रहा है।इसके बाद ईरान चाबहार बंदरगाह का संचालन किसी अन्य देश को देने के लिए स्वतंत्र होगा। संभवत: ये ठेका चीन को जाएगा। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिस परियोजना को चीन को नियंत्रित करने की भारत की पहल माना जाता था, उसका संचालन अब चीन के हाथ में ही जा सकता है। इसके पहले 2019 में ईरानी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत ने अचानक ईरान से अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी खत्म कर दी थी। इस कदम ने ईरानी बाजार को लगभग चीन के हवाले कर दिया। चीन तब से दुनिया के सस्ते ईरानी कच्चे तेल का लगभग अकेला खरीदार है, मगर उस पर अमेरिका ने कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि उसकी धौंस में आकर भारत अपने हितों की बलि चढ़ाता गया है। इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या होगा!

संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649वीं जयंती धूमधाम से मनाई

ऋषिकेश उत्तराखंड दलित विकास महासभा ने संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649 वीं जयंती धूमधाम से मनाई। वक्ताओं ने लोगों से संत रविदास के बताए मार्गों पर चलने का आह्वान किया। रविवार को आईएसबीटी ऋषिकेश में उत्तराखंड दलित विकास महासभा द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संत शिरोमणि रविदास महाराज रविदास महाराज की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर जाटव ने कहा कि संत गुरु रविदास ने मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश दिया था। उन्होंने हमेशा यही प्रेरणा दी है कि हम सबको सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए और संत महात्माओं दीन दुखियों की सेवा करने से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है। वह पतित पावनी मां गंगा के परम भक्त थे। मां गंगा सदैव उन्हें दर्शन देने के लिए प्रकट हो जाती थी। इससे उनकी महानता का अंजादा लगाया जा सकता है। उन्होंने दलित समाज में जन्म लेने के बाद भी दुनिया में उत्कृष्ट कार्य किया, जिसके आज पूरी दुनिया उनका अनुसरण करती है।

संक्षिप्त समाचार...

हरिद्वार बाईपास रोड पर एक्सिडेंट में युवक की मौत में केस

देहरादून संवाददाता. हरिद्वार बाईपास रोड पर एक्सिडेंट में युवक की मौत मामले में पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज किया है। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि घटना बीती 26 जनवरी की सुबह करीब 5:15 बजे की है। रिषभ पंवार मूल निवासी हाइड मार्केट, अमृतसर, पंजाब, वर्तमान में देवऋषि एंकलेव, देहराखास में रह रहा था। घटना के वक्त हरिद्वार बाईपास रोड पर निसान शोरूम के पास भूसा स्टोर के सामने किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी। रिषभ को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। वहां मृत घोषित कर दिया गया। रिषभ के मामा गिरीश सिंह नेगी निवासी देवऋषि एंक्लेव की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वर्षवार भर्ती: 59वें दिन भी डटे नर्सिंग बेरोजगार, समानता पार्टी ने दिया समर्थन

देहरादून संवाददाता. वर्षवार भर्ती की मांग को लेकर नर्सिंग एकता मंच का धरना रविवार को 59वें दिन भी जारी रहा। सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल न होने से नाराज बेरोजगारों ने आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। इस दौरान उत्तराखंड समानता पार्टी ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को अपना समर्थन दिया। बेरोजगारों का कहना है कि वे लंबे समय से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की तरफ से अब तक कोई जिम्मेदार प्रतिनिधि बात करने नहीं पहुंचा है। केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। पार्टी ने मांगों को बताया जायज उत्तराखंड समानता पार्टी के महासचिव टीएस नेगी और संगठन महासचिव एसपी नैथानी ने आंदोलनकारियों को समर्थन पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द समाधान निकालना चाहिए। मौके पर नवल पुंडीर, विकास पुंडीर, प्रवेश रावत, मुकेश रमोला, जेपी कुकरेती, एचआर सेमवाल, भास्कर, सपना और प्रीति आदि मौजूद रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन में बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

देहरादून संवाददता. यमुना कॉलोनी स्थित अटल वाटिका पार्क में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन में वृंदावन से आए कलाकारों ने व छोटे-छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गुरू रविदास जी की 649वीं जयंती

देहरादून संवाददाता. श्री गुरू रविदास जी की 649वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का श्रद्धा, उल्लास और भक्तिमय वातावरण के साथ समापन हुआ। रविवार को डीएल रोड स्थित रविदास मंदिर में हवन किया गया। जिला श्री संत शिरोमणी श्री गुरू रविदास सभा समिति और अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ की ओर से आयोजित कार्यक्रम बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचे। कार्यक्रम में भजन- कीर्तन कर सभी श्रद्धालु गुरू की भक्ति में लीन हो गए। भजन- कीर्तन के बाद सभी श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला रविदास सभा देहरादून के अध्यक्ष दिल राम रवि, महासचिव श्रवण कुमार, कोषाध्यक्ष मनीष कमानिया, आंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष उमेश कुमार, महासचिव देवेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष कपिल कुमार, जय भीम सेवा संस्थान आर्यनगर के पूर्व अध्यक्ष सहदेव कुमार, वर्तमान अध्यक्ष मानू कुमार, महासचिव आकाश, उपाध्यक्ष आशीष गौतम और कोषाध्यक्ष विकास कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

विश्व कैंसर दिवस पर 'रन फॉर लाइफ' का आयोजन

देहरादून संवाददाता. विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता के लिए हुई रन फॉर लाइफ में सैनिक और आमलोग दौड़े। दून सैनिक इंस्टीट्यूट गढ़ी में रविवार सुबह रन फॉर लाइफ, वॉक फॉर होप थीम पर छह किलोमीटर की दौड़ और वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने दौड़ लगाकर समाज को कैंसर के प्रति जागरूक रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उत्तराखंड सब एरिया की ओर से में सैन्य अस्पताल देहरादून और श्री महंत इंदिरेश अस्पताल के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सैन्य अस्पताल के कमांडेंट ब्रिगेडियर प्रफुल्ल मोहन और इंदिरेश अस्पताल के ऑन्कोलॉजी सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. पंकज ने किया। समापन पर पुरुष व महिला वर्ग के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मेडिकल छात्रों में से सर्वश्रेष्ठ छात्र धावक को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें भारतीय सेना के जवान, उनके परिवारजन और अस्पताल के मेडिकल छात्र शामिल रहे।

श्री जाट महासभा समिति के अध्यक्ष बने विनोद कुमार मलिक

हरिद्वार संवाददाता. चौधरी चरण सिंह घाट पर रविवार को आयोजित श्री जाट महासभा समिति के चुनाव में अध्यक्ष पद पर विनोद कुमार मलिक, महामंत्री पद पर नरेश कुमार बालियान और कोषाध्यक्ष पद पर सुरेंद्र प्रकाश मलिक को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रमोद कुमार ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नामों की औपचारिक घोषणा की। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समाज के वरिष्ठ और सक्रिय सदस्यों ने उन्हें बधाई दी और जाट समाज की उन्नति और विकास के संबंध में अपने विचार रखे।

केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत की दिशा में एक सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी बजट: गणेश जोशी

देहरादून संवाददाता. प्रदेश के कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने आज कैंप कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों के साथ केंद्रीय बजट 2026ख्27 का लाइव प्रसारण देखा एवं सुना। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय बजट 2026 को विकसित भारत की दिशा में एक "सर्वसमावेशी और विकासोन्मुखी बजट" बताया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026ख्27 समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जो देश की विकास गति को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बजट नागरिकों को सशक्त बनाएगा और भारत के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि मजबूत आर्थिक आधार, समावेशी विकास और दीर्घकालिक दृष्टि पर केंद्रित यह बजट "विकसित भारत" के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि बजट में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी इन चारों वर्गों के उत्थान और सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने, युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने तथा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री द्वारा सरकार की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी योजना को और विस्तार देने की घोषणा पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए देशभर में और अधिक रिटेल आउटलेट्स खोले जाएंगे, जिससे महिलाओं को सीधे बाजार से जोड़ने, स्थायी आय के साधन विकसित करने और महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि बजट में एआई टूल "भारत-टॅप्.।ट" कार्यक्रम की शुरुआत एक दूरदर्शी कदम है। यह एआई आधारित टूल किसानों को बेहतर और सटीक निर्णय लेने में मदद करेगा, जिससे उनकी उत्पादकता और आय में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीण महिलाओं की अगुवाई वाले उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए स्व-सहायता उद्यम (ैभ्-डंतजे) की शुरुआत की जाएगी, जिससे महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा। पर्यटन क्षेत्र को लेकर बजट में किए गए प्रावधानों की भी मंत्री गणेश जोशी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर टूरिस्ट गाइड्स को वर्ल्ड-क्लास ट्रेनिंग देने और प्रमुख पुरातात्विक स्थलों को सांस्कृतिक एवं पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित करने का निर्णय पर्यटन को नई दिशा देगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि यह बजट ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, कृषि उन्नयन और पर्यटन संवधन के माध्यम से "विकसित भारत" के लक्ष्य को साकार करने वाला है। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने वाले इस जनकल्याणकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया।

20 फरवरी तक बढ़ाई गई 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान की अवधि

- कोई क्षेत्र नहीं रहेगा वंचित: मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर सभी जिलों में फिर लगेंगे जनसेवा कैंप

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में राज्य सरकार द्वारा जनसेवा को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासन को जन-जन के और अधिक निकट लाने के उद्देश्य से संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान की अवधि को आगे बढ़ा दिया गया है। मुख्यमंत्री धामी के मार्गदर्शन में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह अभियान अब 20 फरवरी 2026 तक प्रदेश के सभी जनपदों में संचालित किया जाएगा। इससे पूर्व यह अभियान 31 जनवरी 2026 तक निर्धारित था, जिसे जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया और कैंपों में बड़ी संख्या में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं सुझावों के प्रभावी निस्तारण को देखते हुए 20 दिनों के लिए विस्तारित किया गया है।

अब तक हजारों लोगों को मिला सीधा लाभ : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जन-केन्द्रित सोच का परिणाम है कि 17 दिसंबर 2025 से प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे इन कैंपों के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। राजस्व, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर जनता को राहत दी जा रही है।

छूटे हुए क्षेत्रों को भी किया जाएगा आच्छादित : मुख्यमंत्री धामी ने निर्देश दिए हैं कि जिन क्षेत्रों में अब तक अभियान के अंतर्गत कैंप आयोजित नहीं हो पाए हैं, उन्हें भी विस्तारित अवधि में अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि प्रदेश का कोई भी नागरिक इस जनसेवा अभियान से वंचित न रहे।मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि शासन जनता के द्वार तक पहुंचे।उन्होंने कहा कि "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास का सेतु है।

जीपीएस मैपिंग से दिल की गंभीर बीमारी का इलाज

देहरादून संवाददाता. दून अस्पताल के कॉर्डियोलॉजी विभाग ने जीपीएस मैपिंग से दिल की गंभीर बीमारी का इलाज शुरू किया गया है। कैथलैब में आत्याधुनिक तकनीकी से अनियंत्रित धड़कन वाले चार मरीजों की समस्या को जड़ से खत्म किया गया एमएस डॉ. आरएस बिष्ट ने बताया कि विभाग के एचओडी डॉ. अमर उपाध्याय के नेतृत्व में इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी कार्यशाला में दिल की अनियंत्रित धड़कन से जूझ रहे चार मरीजों का सफल इलाज किया गया। डॉक्टरों ने अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर बीमारी की जड़ को खत्म किया। डॉ. उपाध्याय के मुताबिक जिन चार मरीजों की सर्जरी की गई, उनमें से तीन एसेसरी पाथवे और एक मरीज मल्टी फोकल एट्रियल टैकीकार्डिया से पीड़ित था। इन बीमारियों में मरीज की धड़कन अचानक बहुत तेज हो जाती है, जिससे उन्हें घबराहट, चक्कर आने और बेहोश होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

यूजीसी नियमावली के खिलाफ सड़क पर उतरे सवर्ण

हरिद्वार संवाददाता. यूजीसी के नए नियमों के विरोध में सवर्ण समाज सड़क पर उतर आया। उन्होंने हाथों में काले झंडे और काली पट्टियां बांधकर आर्यनगर चौक से अग्रसेन चौक तक आक्रोश यात्रा निकाली। यूजीसी और सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। इस दौरान व्यापारियों को 'यूजीसी रोलबैक' के स्टीकर भी बांटे गए। रविवार को सवर्ण समाज के लोग आर्यनगर स्थित शहीद उधम सिंह चौक पर एकत्र हुए, जहां यूजीसी और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक यह काला कानून वापस नहीं लिया जाता, सवर्ण समाज सड़क पर संघर्ष करता रहेगा। इस कानून पर 19 मार्च तक सुप्रीम रोक है। लेकिन, जो काम सरकार को करना चाहिए था, वह सुप्रीम कोर्ट को करना पड़ा। सवर्ण समाज ने कहा कि जिस कानून से बच्चों का भविष्य प्रभावित होता हो, उसे किसी सूरत में लागू नहीं किया जाना चाहिए। सरकार को कोई भी नियम लागू करने से पहले गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस अवसर पर पंडित अधीर कौशिक, बालकृष्ण शास्त्री, पंडित पवन कृष्ण शास्त्री, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा भारत के प्रदेश महामंत्री राकेश राजपूत, ऋषि शर्मा, सत्यपाल सिंह, संजय शर्मा, रमेश पांडे, मनोज शुक्ला, बृजमोहन शर्मा, भगवती प्रसाद पंत, सर्वेश चौरसिया, नरेश त्रिखा, यशपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पोक्सो मामले में आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग किशोरी गुरुग्राम से सकुशल बरामद

अल्मोड़ा संवाददाता. पोक्सो एक्ट से जुड़े एक मामले में कोतवाली द्वाराहाट पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद किया है। पीड़ित बालिका को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 27 जनवरी को एक व्यक्ति ने राजस्व क्षेत्र में तहरीर देकर अपने गांव की एक नाबालिग किशोरी के गुमशुदा होने की सूचना दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए 29 जनवरी को विवेचना रेगुलर पुलिस कोतवाली द्वाराहाट को हस्तांतरित की गई। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए गुमशुदा बालिका की शीघ्र बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। निर्देशों के क्रम में चार अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गईं। अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली द्वाराहाट विनोद जोशी और एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील धानिक के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज का गहन अध्ययन किया और सर्विलांस की सहायता से दिल्ली, गुड़गांव और बिहार के माधोपुर क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। लगातार की गई सुरागरसी और पतारसी के बाद शनिवार 31 जनवरी को गुमशुदा किशोरी को गुड़गांव से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने किशोरी को आरोपी खुशदिल (20 वर्ष), पुत्र मोहम्मद मुस्ताक, निवासी माधोपुर, थाना छातापुर, जिला सुपौल, बिहार के कब्जे से बरामद किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बरामद किशोरी को परिजनों के सुपुर्द कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में कोतवाली द्वाराहाट और एसओजी अल्मोड़ा की पुलिस टीम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयकर स्लैब में बदलाव न होने पर शिक्षक-कर्मचारी संगठन ने जताई नाराजगी

अल्मोड़ा संवाददाता. उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन उत्तराखंड, जनपद अल्मोड़ा ने आयकर स्लैब में कोई बदलाव न किए जाने पर निराशा व्यक्त की है। संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार जोशी और सचिव धीरेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि भविष्य में एक जनवरी 2026 से आठवां वेतनमान लागू होने की स्थिति में बड़ी संख्या में शिक्षक और कार्मिक आयकर के दायरे में आ जाएंगे, जबकि सरकार ने इस संभावित स्थिति को ध्यान में नहीं रखा है। संगठन पदाधिकारियों का कहना है कि महंगाई में लगातार वृद्धि हो रही है और ऐसे में आयकर स्लैब में राहत न देना शिक्षक-कर्मचारियों के हितों के प्रतिकूल है। उन्होंने मांग की कि सरकार कम ब्याज दर पर अधिकतम 30 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराए, ताकि शिक्षक और कर्मचारी जमीन, आवास और बच्चों की उच्च शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। साथ ही आठवें वेतन आयोग की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए आयकर स्लैब में संशोधन किया जाना चाहिए, जिससे आम शिक्षक और कर्मचारियों को राहत मिल सके। संगठन ने यह भी कहा कि बारह महीने के वेतन में से दस या ग्यारह महीने का वेतन आयकर के रूप में लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। इससे शिक्षकों और कार्मिकों की आवश्यक जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं और उन्हें दोबारा ऋणग्रस्त होना पड़ रहा है। पदाधिकारियों ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि गोल्डन कार्ड योजना प्रभावी साबित नहीं हो पा रही है और चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बिलों का भुगतान छह महीने तक लंबित रहना दुर्भाग्यपूर्ण है।

लोधिया क्रिकेट मैदान में महिला कोतवाली का जागरूकता अभियान

अल्मोड़ा संवाददाता. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पींचा के निर्देश पर जनपद में चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत रविवार को महिला कोतवाली की टीम ने लोधिया क्रिकेट मैदान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों और उपस्थित लोगों को जागरूक किया। अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह और क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में प्रभारी महिला कोतवाली जानकी भंडारी के नेतृत्व में महिला पुलिस टीम ने खिलाड़ियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी और नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया। इस दौरान नशे से संबंधित गोपनीय सूचना देने के लिए मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 की जानकारी भी दी गई।

बाड़ेछीना के पास सड़क हादसा, स्कूटी सवार युवक की मौके पर मौत

अल्मोड़ा संवाददाता. जनपद के धौलछीना थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा अल्मोड़ाख्रबाड़ेछीना मोटर मार्ग पर दल बैंड के समीप हुआ, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम स्कूटी और एक ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी सवार युवक ट्रक के पहियों की चपेट में आ गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा बेहद भयावह था, जिससे कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई।

माघ पूर्णिमा पर मंदिरों में हुई पूजा अर्चना

पिथौरागढ़ संवाददाता. पिथौरागढ़ में माघ पूर्णिमा पर प्रसिद्ध तालेश्वर मंदिर, रामेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए भीड़ जुटी रही। थल स्थित रामगंगा नदी में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा की। रविवार को माघ पूर्णिमा के अवसर पर जनपद के प्रसिद्ध मंदिरों में लोगों की भीड़ जुटी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सुबह तड़के मंदिर किनारे स्थित घाटों में स्नान किया। जिसके बाद लोगों ने मंदिरों में पूजा अर्चना कर अपने घर परिवार के सुख, समृद्धि की कामना की। तालेश्वर मंदिर में भी देर रात से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था,काली नदी के तट पर स्नान कर लोगों ने मंदिर में पूजा अर्चना की। सरयू व रामगंगा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध रामेश्वर घाट में भी श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। थल के बालेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। महिलाओं ने गर्भगृह में स्थित शिवलिंग में जल चढ़ाया। क्षेत्र के हनुमान मंदिर, पार्वती मंदिर, भैरवनाथ मंदिर, केदारनाथ शिला में भी पूजा करने करने को शाम तक भक्तों की भीड़ जुटी रही। इस दौरान मंदिर में आये पुरोहितों ने सभी यजमानों की विधि विधान से पूजा सम्पन्न कराई। मंदिर के पुजारी राजेश भट्ट ने बताया धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माघ पूर्णिमा के इस धर्म माह में शिवालय में आकर पूजा-पाठ करने से मानव के सारे पाप का शमन होता है,और उसे सुख,समृद्धि की प्राप्ति होती है।

फास्ट फूड मार्केट में हुए मामूली विवाद में युवक को चाकू मारा, गंभीर

रुद्रपुर संवाददाता. शनिवार देर सायं पुराने अस्पताल के समीप स्थित फास्ट फूड मार्केट में मामूली विवाद के बाद कुछ लोगों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। निकट बड़ी टंकी पूजा डेयरी, मेन मार्केट निवासी रेनू पत्नी पंकज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका पुत्र प्रदीप कबीरा रॉयल बेकरी में काम करने के बाद रात करीब 11 बजे घर लौट रहा था। इसी दौरान पुराने अस्पताल के पास फास्ट फूड मार्केट में राकेश फास्ट फूड के ठेले पर काम करने वाले बादल ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रदीप को घेर लिया और चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में प्रदीप के शरीर पर 15 से 20 गंभीर घाव आए हैं। घटना के बाद घायल युवक को आनन-फानन में सीएचसी ले जाया गया, जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पीड़िता ने आरोपी राकेश, बादल व उसके साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कोतवाल प्रकाश सिंह दानू ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

गुलाब सिंह की भैंस व गाय ने जीती प्रतियोगिता

सितारगंज, संवाददाता. पशुपालन विभाग की ओर से रविवार को एजनियां गांव में ब्लॉक स्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा ने दीप जलाकर शुभारम्भ किया।

प्रदर्शनी में 80 पशुओं ने विभिन्न वर्गों में प्रतिभाग किया। ग्राम मलपुरी के गुलाब सिंह की भैंस को चौम्पियन पशु के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। दुधारू भैंस में भी गुलाब सिंह की भैंस ने प्रतियोगिता जीती। गाय दुध ारू वर्ग में गुलाब चंद की गाय प्रथम,दीप सिंह एजनिया की गाय द्वितीय रही। यहां वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉ जितेंद्र सिंह ने पशुपालकों को योजनाओं, पशुओं के स्वास्थ्य व उपचार की जानकारी दी। यहां ग्राम प्रधान प्रदीप सिंह राणा, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी रुद्रपुर डॉ पीके पाठक, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी खटीमा डॉ राजेन्द्र राम, डॉ विजय कुमार मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री चौंपियनशिप में सरस्वती एकेडमी के खिलाड़ियों ने जीते पदक

खटीमा संवाददाता. सरस्वती एकेडमी बिगराबाग के विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री चौंपियनशिप ट्रॉफी खेल महाकुंभ राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीतकर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। देहरादून स्थित युवा केंद्र आमवाला में मुख्यमंत्री चौंपियनशिप ट्रॉफी खेल महाकुंभराज्यस्तरीय जूडो प्रतियोगिता 2025-26 में सरस्वती एकेडमी के सात खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग में खुशबू भारद्वाज ने 48 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण, स्मृति राणा ने 57 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण, पूजा भारद्वाज ने 52 किग्रा भार वर्ग में रजत, अंजलि भट्ट ने 44 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक तथा बालक वर्ग में विराज कलौन ने 73 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण, हिमेश जोशी ने 50 किग्रा भार वर्ग में राज्यस्तरीय जूडो में जीते स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता। उज्ज्वल ने 60 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। विजेता खिलाड़ियों के स्कूल पहुंचने पर स्कूल प्रबंधन ने भव्य स्वागत किया। विद्यालय चेयरपर्सन ज्योति पाल, एडमिनिस्ट्रेटिव विनीता पाल, प्रध ानाचार्य रामयश आदि ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

छाती- मनकोट में गुलदार फंसा पिंजड़े में

- सात जनवरी से लगरतार सर्च अभियान में थी वन विभाग की टीम

- मनकोट में वन्य जीव के हमले में हुई थी देवकी की मौत

बागेश्वर, संवाददाता. बागेश्वर वन रेंज क्षेत्र के अंतर्गत छाती -मनकोट में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। एक गुलदार पिंजड़े में कैद हुआ है। पशु चिकित्सकों ने उसका मेडिकल किया। जांच के बाद गुलदार स्वस्थ्य पाया गया। अब उसे अल्मोड़ा चिड़ियाघर भेजा जाएगा। गुलदार के कैद होते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इसी गांव में देवकी देवी की वन जीव संघर्ष में मौत हो गई है। मालूम हो कि सात जनवरी को मनकोट में देवकी देवी पानी लेने के लिए गई थी। रात 12 बजे उसका शव माल्ता के जंगल में मिला। तब से गांव में वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही थी। गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने तीन पिंजड़े लगाए थे। साथ ही टीम गश्त भी कर रही थी। रविवार की सुबह चार बजे गुलदार छाती-मनकोट के जंगल में लगे पिंजडे में फंस गया। गुलदार को पड़कने के लिए रेंजर केवलानंद पांडे के नेतृत्व में चंदन सिंह टांगणिया, वन दरोगा तारा सिंह फर्स्वाण, वन आरक्षी किशोर चंद्र, सुधीर कुमार, चंदन राम सहित वन विभाग की टीम द्वारा छाती-मनकोट क्षेत्र में बीती रात भर सर्च अभियान चलाया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद पूरी टीम ने रात भर कड़ा पहरा बनाए रखा। इसके बाद विभाग उसे रेंज कार्यालय लाया। यहां पशु चिकित्सक डॉ. गौरव कोहली ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच में वह स्वस्थ्य मिला। गुलदार के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। आरे के ग्राम प्रधान दीपक खेतवाल ने बताया कि जहां देवकी देवी का शव पड़ा था। उसके बाद यही गुलदार खड़ा था। उन्होंने गुलदार को देखा भी था। इसकी सूचना वन विभाग को भी दी।

पूर्व सैनिकों का आंदोलन 15 दिनों के लिए स्थगित

पिथौरागढ़ संवाददाता. पर्यावरण बटालियन विस्थापन को लेकर पूर्व सैनिकों ने दो सप्ताह के लिए आंदोलन स्थगित कर दिया है। पूर्व सैनिकों संगठन ने 16 फरवरी से फिर आंदोलन करने की चेतावनी दी है। रविवार को 130 पर्यावरण बटालियन के विस्थापन के विरोध में छवे दिन भी पूर्व सैनिकों का धरना जारी रहा। पूर्व सैनिकों ने केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ आक्रोश जताया । कहा कि 130 पर्यावरण बटालियन का विस्थापन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यह केवल पूर्व सैनिकों का मुद्दा नहीं बल्कि पूरे जनपद की सुरक्षा, पर्यावरण और सम्मान से जुड़ा हुआ है। ईएमई कोर के अध्यक्ष कैप्टन रिटायर राजेंद्र सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और पूर्व सैनिकों को समर्थन दिया। एसडीएम जितेंद्र वर्मा ने धरना स्थल पर पहुंचकर पूर्व सैनिकों के साथ वार्ता की, उन्होंने मामले के लिए एक टीम के गठन को लेकर बात की। पूर्व सैनिकों ने एसडीएम के आश्वासन पर कुछ दिनों के लिए आंदोलन स्थगित किया। पूर्व सैनिक संगठन के जिलाध्यक्ष मयूख भट्ट ने कहा कि कोई ठोस और सकारात्मक निर्णय होने पर 16 फरवरी से फिर आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान सूबेदार मेजर रिटायर उम्मेद सिंह,प्रमिला बोहरा, गिरधर सिंह, प्रह्लाद सिंह, धन सिंह, गोपाल बोहरा, सुरेंद्र बोहरा, प्रेम चंद, लक्ष्मी ओझा, राजेंद्र जोरा, गोविंद सिंह, श्याम विश्वकर्मा, शेर सिंह, कैप्टन रिटायर विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

चौपाल लगाकर निस्तारण हेतु राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए

नैनीताल/हल्द्वानी संवाददाता. जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देशानुसार जिले में लंबित निर्विवाद

विरासतन के प्रकरणों का तेजी से किया जा रहा है निस्तारण काफी समय से जिले में लंबित निर्विवाद विरासतन व राजस्व प्रकृति के विवादों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी द्वारा अपनी प्राथमिकताओं में रखते हुए इन विवादों का चौपाल लगाकर निस्तारण हेतु राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे।29 जनवरी 2026 तक जनपद नैनीताल में लंबित निर्विवाद विरासत नामांतरण के कुल 7070 प्रकरणों का निस्तारण हो गया है। इसी प्रकार राजस्व प्रकृति के अन्य 1640 विवादों में से 1473 का भी निस्तारण कर लिया गया है चौपाल लगाकर इन विवादों के निस्तारण की बेहतर प्रगति पर उत्तराखंड शासन द्वारा भी लगातार जिलाधिकारी श्री रयाल के इस अभिनव प्रयास की प्रशंसा की जा रही हैजिले में सरकारी भूमि से लगभग 200 अतिक्रमण इन माहों में हटाए गए हैंजनपद नैनीताल में राजस्व एवं नागरिक सेवाओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण हेतु लगातार कार्यवाही गतिमान हैजिलाधि कारी ललित मोहन रयाल द्वारा जनहित में शुरू की गई इन पहलों से आम जनता को बड़ी राहत मिल रही है, साथ ही जनता को त्वरित लाभ प्राप्त हो रहा है। और जनता का प्रशासन पर भरोसा और मजबूत हुआ हैनिर्विवाद विरासत मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में जनपद नैनीताल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बीते चार माह में जिले में राजस्व कर्मियों द्वारा ग्राम स्तर पर चौपालों का आयोजन कर करीब 7070 से अधिक निर्विवाद विरासत मामलों का सफल एवं त्वरित निस्तारण किया गयासबसे अधिक लंबित निर्विवाद विरासतन नामांतरण प्रकरणों का निस्तारण तहसील नैनीताल अंतर्गत किया गया है जिसमें 2237 प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। इसी प्रकार तहसील हल्द्वानी में 728, रामनगर में 1280 कालाढूंगी में 767 धारी में 695, श्री कैंचीधाम में 405 लाल को तहसील में 335, बेतालघाट में 298 व खनस्यू तहसील में 325 प्रकरणों का निस्तारण अभी तक कर दिया गया है। इसके साथ ही जनपद में स्थल स्तरीय एवं राजस्व प्रकृति के संबंधित कुल 1640 प्राप्त प्रकरणों में से 1473 प्रकरणों का निस्तारण इन चार माह में किया गया है। जिसमें मार्ग पर अवैध कब्जा व अतिक्रमण के 142 प्रकरणों में से 131 का निस्तारण कर दिया गया है इसी प्रकार सिंचाई गूल पर अतिक्रमण के 20 मामलों में से 11 का निस्तारण कर दिया गया है। विभिन्न सार्वजनिक मार्गो नहर आदि में किए गए 62 अतिक्रमण में से 54 प्रकरणों का निस्तारण कर लिया गया है। इसी प्रकार पेमाईश के 1011 प्रकरण में से 921 का, मेढ़ विवाद एवं खेत सीमाओं के विवाद के 121 मामलों में से 106 का निस्तारण कर लिया गया हैइसके अलावा कुर्रा नक्शे के प्राप्त 73 मामलों में से 53 का एवं नाम संशोधन के 84 प्रकरण में से 81 का निस्तारण करने के साथ ही राजस्व से संबंधित अन्य 127 प्रकरण में से 116 प्रकरणों का निस्तारण राजस्व की टीम द्वारा किया गया है।

टीपीनगर की समस्याओं का समाधान कराएंगेः सुमित हृदयेश

हल्द्वानी संवाददाता. ट्रांसपोर्ट नगर की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने रविवार को व्यापारियों के साथ बैठक की। उन्होंने समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने का भरोसा दिलाया। इस दौरान व्यापारियों ने पार्किंग की कमी, वाहनों के संचालन में बाधाएं, सड़क-नाली व्यवस्था की अव्यवस्था और लंबे समय से चली आ रही गंभीर ड्रेनेज समस्या को प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। व्यापारियों का कहना था कि जलभराव और टूटी नालियों के कारण आवाजाही प्रभावित होती है, जिससे कारोबार पर सीधा असर पड़ रहा है। विधायक सुमित हृदयेश ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधि कारियों से दूरभाष पर बातचीत की और ड्रेनेज सहित अन्य समस्याओं का त्वरित व स्थायी समाधान करने को कहा।

कॉर्बेट पार्क में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध

रामनगर संवाददाता. विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए एक अहम बदलाव की तैयारी की जा रही है। वन्यजीवों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पार्क प्रशासन फरवरी के पहले सप्ताह से पर्यटकों के मोबाइल फोन ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने की

दिशा में आगे बढ़ रहा है। नए नियम के तहत सफारी या रात्रि विश्राम के लिए पार्क में प्रवेश करने वाले पर्यटकों को अपने मोबाइल फोन गेट पर ही जमा कराने होंगे। इसके लिए प्रवेश द्वार पर विशेष बॉक्स लगाए जाएंगे जिनकी चाबी पार्क प्रशासन के पास सुरक्षित रहेगी। सफारी या ठहराव समाप्त होने के बाद ही मोबाइल वापस मिल सकेंगे। पार्क प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन और वन्यजीवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया जा रहा है। पूर्व में कई बार यह देखा गया है कि पर्यटक जानवरों के बेहद नजदीक जाकर मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाते हैं। वहीं बाघ दिखाई देने की सूचना फोन के जरिए फैलने से एक ही स्थान पर भारी भीड़ जुट जाती है जिससे जानवरों के साथ-साथ पर्यटकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। कॉर्बेट पार्क के एसडीओ अमित ग्वासीकोटी ने बताया कि मोबाइल प्रतिबंध को फरवरी के प्रथम सप्ताह से लागू करने पर अंतिम मंथन चल रहा है और जल्द ही इस पर आधिकारिक आदेश जारी किया जाएगा।

चार श्रम कोड के खिलाफ 12 फरवरी की राष्ट्रीय हड़ताल में पूरी ताकत से शामिल होंगी ऐक्टू से संबद्ध सभी यूनियनें

' नयी चार श्रम संहिताएं मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन करती हैं : जोगेंद्र लाल

श्रम संहिताओं को लागू किये जाने के खिलाफ और श्रम शक्ति नीति 2025 को वापस लिए जाने की मांग के लिए तथा मोदी सरकार द्वारा चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित करने के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर 12 फरवरी की राष्ट्रीय हड़ताल को सफल करने के ऐक्टू द्वारा एक मीटिंग अपने कार्यालय में की गयी. तय किया गया कि ऐक्टू से संबद्ध सभी यूनियनें 12 फरवरी की राष्ट्रीय हड़ताल में पूरी ताकत से शामिल होंगी.

ऐक्टू के जिला अध्यक्ष जोगेंद्र लाल ने कहा कि, 12 फरवरी की राष्ट्रीय हड़ताल मुख्य रूप से चार चार लेबर कोड के खिलाफ है. ये श्रम संहिताएं मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों का खुला उल्लंघन करती हैं. ये श्रम कोड जिसमें वेतन संहिता, 2019; व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020; और औद्योगिक संबंध संहिता, 2020- भले ही ष्श्रम सुधारष् के नाम पर पेश की गयी हों पर ये अनिवार्य रूप से ऐसे औजार हैं जो ष्व्यापार करने की सुगमताष् के आवरण के नीचे बड़े व्यवसाय और कॉरपोरेट हितों के मुनाफे के लिए आधुनिक गुलामी और शोषण को संहिताबद्ध करते हैं.भाकपा माले नैनीताल

जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय ने कहा कि, सभी के लिए सम्मानजनक और सही काम करने की स्थिति के संवैधानिक अधिकार पर मोदी सरकार हमला कर रही है. लेबर कोड्स, श्रम शक्ति नीति और वी बी ग्राम जी एक्ट के जरिए "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" के नाम पर मौजूदा लेबर फ्रेमवर्क और सुरक्षा को खत्म किया जा रहा है. साथ ही देश की मेहनतकश आबादी को बांटने के लिए नफरत और विभाजन को तेज किया जा रहा है. इसलिये देश के मेहनतकश लोगों ने लगभग पूरे ट्रेड यूनियन आंदोलन के जॉइंट प्लेटफॉर्म द्वारा बुलाई गई और संयुक्त किसान मोर्चा और खेत और ग्रामीण मजदूरों की यूनियनों के प्लेटफॉर्म द्वारा समर्थित 12 फरवरी की आम हड़ताल को बड़ी कामयाबी बनाकर मजदूरों और ट्रेड यूनियनों के खिलाफ मोदी सरकार के हमलों और विषैले प्रचार का मुँहतोड़ जवाब देने का पक्का इरादा कर लिया है.वक्ताओं ने कहा कि, मोदी सरकार के लेबर कोड मजदूर वर्ग के बड़े हिस्से को बंधुआ मजदूरी जैसे हालात में धकेल देंगे और ठेकाकरण की राह को और सुगम बना देंगे. इन श्रम संहिताओं का उद्देश्य और लक्ष्य बड़े कॉरपोरेट की मुनाफाखोरी को सुगम बनाने के लिए मजदूरों के अधिकार और सुरक्षा को छीनना है. कुल मिलाकर ये श्रम संहिताएं मोदी सरकार के उस प्रतिगामी और मजदूर विरोधी चरित्र का प्रतिबिंब हैं, जो इस देश के मजदूरों और मेहनतकश आवाम को खून चूसने के मतलब का समझता है तथा उन्हें और अधिक गुलामी जैसी स्थितियों में धकेलने की कोशिश कर रहा है.

बजट 2026: विकसित भारत की ओर कदम, लेकिन मध्यम वर्ग को खली राहत की कमी

हल्द्वानी संवाददाता. केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को हल्द्वानी के व्यापारिक जगत ने विकासोन्मुख तो माना है, लेकिन स्थानीय स्तर पर उम्मीदें पूरी न होने से कुछ मायूसी भी है। लोगों ने कहा कि जहां कैंसर दवाओं और बुनियादी ढांचे पर निवेश का स्वागत हुआ, वहीं पेट्रोल-डीजल को जीएसटी से बाहर रखने और उत्तराखंड के लिए विशेष पैकेज न मिलने पर सवाल भी उठे।'बजट में सर्वांगीण विकास और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए कई बातें है साथ ही आयकर नियमों में सरलीकरण के नियमों को 1 अप्रैल से लागू करने की बात रखी गई। बजट को विकसित भारत को दृष्टिगत रखते हुए बनाया गया है। - नवीन वर्मा, वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद, उपाध्यक्ष'बजट में पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में न लाने से ट्रांसपोर्टरों में मायूसी है। हालांकि, इलेक्ट्रिक वाहनों के कलपुर्जे सस्ते करने का निर्णय स्वागत योग्य है। उम्मीद थी कि ईंधन की कीमतों में राहत मिलेगी, जिससे परिवहन लागत कम हो पाती। - हरजीत सिंह चड्ढा, प्रवक्ता ट्रांसपोर्ट महासंघ'बजट विकसित भारत की दिशा में सकारात्मक है, जिसमें कैंसर दवाओं पर राहत और रेल कॉरिडोर की घोषणाएं स्वागत योग्य हैं। हालांकि, रेल सुरक्षा, होम लोन पर ब्याज राहत और व्यापारियों हेतु जीएसटी सरलीकरण जैसे मुद्दों पर सरकार को और ध्यान देने की आवश्यकता है। - डॉ प्रमोद अग्रवाल गोल्डी, प्रदेश जीएसटी प्रभारी व्यापार मण्डल 'यह बजट लोकलुभावन के बजाय विकासोन्मुख है। हालांकि यह मध्यम वर्ग की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरा, फिर भी देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक प्रभावी और दूरगामी सोच वाला बजट साबित होगा। - बिक्रम सिंह पोखरिया'ट्रांसपोर्टरों के लिए बजट निराशाजनक रहा। हमें उम्मीद थी कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में आने की उम्मीद थी। हालांकि सीएनजी सस्ती हुई है, लेकिन ट्रांसपोर्टर के लिए यह अपर्याप्त और विशेष राहत रहित नहीं हैं। - प्रदीप सब्बरवाल, ट्रांसपोर्ट नगर व्यापारी, अध्यक्ष 'उत्तराखंड आपदा ग्रस्त प्रदेश है यहां प्राकृतिक रूप से चुनौतियां से लोग जूझते है। उत्तराखंड को एक विशेष पैकेज की घोषणा की आवश्यकता थी जिससे यहां के पर्वतीय जिलों पर विकास हो सके जिससे रोजगार व पर्यटन को बढ़ावा मिलता। - ललित कर्नाटक, वरिष्ठ अधिवक्ता

चोरी किए गए 02 कीमती मोबाइल फोन बरामद

हल्द्वानी संवाददाता. /कोतवाली पुलिस ने तेज और प्रभावी कार्रवाई करते हुए मोबाइल चोरी की दो घटनाओं का सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए 02 कीमती मोबाइल फोन बरामद किए हैं।जानकारी के अनुसार, दिनांक 30 जनवरी 2026 को शिकायतकर्ताओं द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर दी गई थी कि सब्जी मंडी मंगलपड़ाव एवं सदर बाजार मंगलपड़ाव क्षेत्र से अज्ञात चोरों द्वारा दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत के आधार पर कोतवाली हल्द्वानी में एफआईआर संख्या 39/2026 व 40/2026, धारा 303(2) बीएनएस के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गई।चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी.सी. ने तत्काल खुलासा करने के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी मनोज कत्याल के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी श्री अमित कुमार सैनी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हल्द्वानी विजय मेहता के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।पुलिस टीम ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का बारीकी से अवलोकन कर अभियुक्तों की पहचान की। दिनांक 31 जनवरी 2026 को मंडी बाईपास हल्द्वानी क्षेत्र से दोनों अभियुक्तों को चोरी किए गए मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्तसुजन मुखर्जी पुत्र रोहित मुखर्जी, निवासी छोटा तितुलिया हाथीघर, थाना तीन पहाड़, जिला साहिबगंज (झारखंड), उम्र 22 वर्षमन्नी नोनिया पुत्र भुवन नोनिया, निवासी ग्राम बाओपुर, थाना तीन पहाड़, जिला साहिबगंज (झारखंड), उम्र 21 वर्ष बरामदगीअभियुक्त सुजन मुखर्जी से ग्र सैमसंग ।-56 मोबाइल फोनअभियुक्त मन्नी नोनिया से सैमसंग ँ-24 मोबाइल फोन पुलिस टीमउनि0 गौरव जोशीउनि0 रविन्द्र राणाका0 संतोष बिष्टका0 भूपाल मेहरा

जामणी और स्यांसू ने नशे पर लगाया प्रतिबंध

- नियमों का उल्लंघन करने पर ग्राम पंचायत वसूलेगी अर्थदंड

नई टिहरी संवाददाता. थौलधार के ग्राम पंचायत जामणी व स्यांसू के लोग भी शराबबंदी के मुहिम में शामिल हो गए। दोनों ग्राम पंचायतों की बैठक में शादी-विवाह और नामकरण, जन्म दिन और धार्मिक आयोजनों के दौरान गांव में कॉकटेल पार्टी आयोजन करने पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। उल्लंघन करने पर 51 हजार रुपये अर्थदंड लगाने का निर्णय लिया है। ग्राम पंचायत जामणी में प्रधान सुमन बाला की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि ग्राम पंचायत के अंतर्गत होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों में अब शराब पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। यदि कोई व्यक्ति शादी-विवाह और अन्य धार्मिक आयोजनों में मेहमानों को शराब परोसता हुआ मिला तो उसे ग्राम पंचायत 51 हजार अर्थदंड वसूल करेगी। बैठक में कीर्ति बरवाण, जय प्रकाश नौटियाल, भारत सिंह, महिपाल सिंह, शैलेंद्र दत्त, रोशन लाल, मधु देवी, अनीता देवी, सुषमा देवी, रूक्मणी देवी, विजय पाल आदि मौजूद रहे। दूसरी ओर, ग्राम पंचायत स्यांसू के ग्राम स्यांसू की बैठक प्रधान रीना देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताई। शादी-विवाह में कॉकटेल पार्टी आयोजन का सबसे अधिक बुरा असर युवाओं पर पड़ रहा है। गांव में होने वाली शादी-विवाह, जन्म दिन पार्टी में यदि कोई कॉकटेल पार्टी करते हुए पकड़ा जाता है तो उसका सामूहिक बहिष्कार किया जाएगा। बैठक में बीडीसी सदस्य नत्थी सिंह रावत, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य लक्ष्मी देवी, सुरेंद्र कुमार, देवेंद्र सिंह रावत, प्रताप सिंह रावत, मुलमदास, हरजोत, विमला देवी, अंजना देवी, डिम्पी देवी, उम्मेद सिंह रावत, राकेश गरवाण, विनीता रावत, किरन देवी आदि मौजूद रहे।

अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर 91 दुर्लभ प्रजाति के कछुओं को बचाया

रुद्रपुर संवाददाता. यूपी उत्तराखंड सीमा पर वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलभट्टा थाना पुलिस ने चार अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर 91 दुर्लभ प्रजाति के कछुओं को बचाया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। यह कार्रवाई बहेड़ी बॉर्डर पर चल रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान की गई।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग बस के जरिए कछुओं की तस्करी कर रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बस को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान चार बैगों से बड़ी संख्या में जीवित कछुए बरामद हुए, जिन्हें अवैध रूप से सप्लाई के लिए ले जाया जा रहा था।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओमा और कामनी (निवासी अलीगंज चुंगी, यूपी, हाल निवासी आवास विकास रुद्रपुर) तथा विष्णु और सनी (निवासी एटा, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे कछुओं को कासगंज से लाकर रुद्रपुर क्षेत्र में बेचने की तैयारी में थे।मामले की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम पुलभट्टा थाने पहुंची और बरामद कछुओं को अपने कब्जे में लिया।

आज नगर निगम सभागार, हल्द्वानी में सामूहिक रूप से संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन को बजट पेश करते सुना।

हल्द्वानी संवाददाता. महापौर गजराज बिष्ट ने बताया कि माननीय वित्त मंत्री ने बजट 2026 में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित करने की घोषणा की एवं मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब बनाने की बात कही, इसके साथ-साथ कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया गया। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री की गई। 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी और करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। मेरा मानना है स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जोर देता यह बजट बताता है, मोदी सरकार ष्सबका साथ सबका विकास सबका प्रयासष् को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। सभागार में जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक डा. मोहन बिष्ट, राज्य मंत्री नवीन वर्मा, जिला महामंत्री विनीत अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री युवा मोर्चा दीपेन्द्र कोश्यारी, प्रदेश मंत्री विजयालक्ष्मी चौहान, जिला उपाध्यक्ष प्रतिभा जोशी, जिला मंत्री प्रताप रैकवाल, पंकज अधिकारी, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष नन्हे कश्यप, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कंचन उप्रेती, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष रविन्द्र बाली सहित कार्यकर्ता पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

कमांडेंट मनोहर लाल के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन

सितारगंज संवाददाता. एसएसबी 57वीं वाहिनी के कमांडेंट मनोहर लाल रविवार को सेवानिवृत्त हो गये। कमांडेंट मनोहर लाल को लगभग 40 वर्षों की विशिष्ट, अनुकरणीय एवं समर्पित सेवा के उपरांत सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कमांडेंट मनोहर लाल ने वर्ष 1986 में सशस्त्र सीमा बल में ज्वाइनिंग ली। सेवा के प्रारंभिक वर्षों से ही उन्होंने अनुशासन, कर्मठता एवं उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। वर्ष 1986 से 1993 तक उन्होंने सशस्त्र सीमा बल की केंद्रीय वॉलीबॉल टीम का नेतृत्व करते हुए बल को खेल जगत में राष्ट्रीय पहचान दिलाई। वर्ष 2014 में राष्ट्रपति विशेष सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वर्ष 2023 में कमांडेंट मनोहर लाल की पदस्थापना 57वीं वाहिनी में हुई। उनके सक्षम नेतृत्व में सीमित संसाधनों के बावजूद प्रशासनिक एवं प्रचालनात्मक गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, सीमा चौकियों के विकास, संचार व्यवस्था, सुरक्षा फेंसिंग तथा जवानों के कल्याण से जुड़े अनेक उल्लेखनीय कार्य हुए। सेवानिवृत्ति के अवसर पर वाहिनी की ओर से महानिदेशक की ओर से प्रेषित प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। यहां द्वितीय कमान अधिकारी चिकित्सा डॉ. बीबी सिंह, उपकमांडेंट दीपक सिंह जायडा व अनिल कुमार, अरविंद कुमार मौजूद रहे।

जी रामजी योजना विकसित भारत की अवधारणा के लिए सराहनीय निर्णय :- रेखा आर्या

नानकमत्ता, संवाददाता। विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट के जनजागरण अभियान के तहत आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने 125 दिन के रोजगार व त्वरित भुगतान को क्रांतिकारी कदम बताया।रविवार को नानकत्ता के रिजार्ट में आयोजित भाजपा के जिलास्तरीय सम्मेलन में जी राम जी में मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने योजना को विकसित भारत की अवधारणा के लिए में सराहनीय निर्णय बताया। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को 125 दिन का रोजगार प्रदान किए जाने का प्रावधान है। कांग्रेस जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न करने की कोशिश कर रही है। मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि यह योजना पूर्व में अपने विभिन्न स्वरूपों में रही, कांग्रेस सरकार ने समय-समय पर इस योजना का नाम बदला। इस योजना का मूल उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार की गारंटी देना रहा किंतु यह योजना अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकी। गांव में एक गड्ढा खोद देने को भी मनरेगा में जोड़ दिया जाता था। इसका कोई स्पष्ट स्वरूप नहीं था तथा योजना में लगातार भ्रष्टाचार के प्रकरण सामने आते रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

नीलम गिरी को मिला द 50 का गोल्डन टिकट, लॉयन के महल में भोजपुरी क्वीन की एंट्री

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री नीलम गिरी बिग बॉस 19 के बाद अब रियलिटी शो द 50 में जाने वाली हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा, ये आ गया मेरा द 50 का गोल्डन टिकट और मुझे बुलावा आ गया है लॉयन के महल में जाने के लिए। अब मैं जा रही हूं शॉपिंग के लिए। आप लोग द 50 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स पर देख सकते हैं। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ लिखा, बिग बॉस 19 के बाद जियो हॉटस्टार और कलर्स के साथ फिर जुड़ना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, लेकिन इस बार एक बिल्कुल नए रियलिटी शो द 50 के साथ।उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर में मेरा सफर बहुत शानदार रहा। दर्शकों ने मुझे खूब प्यार दिया, खासकर सीधा जाकर लेफ्ट लें और चाय बनाना जैसे पलों के लिए। अब कुछ नया शुरू करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। उम्मीद है यहां भी ऐसे कई यादगार पल बना पाऊंगी। मैं इस नए चौलेंज और मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हूं और द 50 में अपना पूरा दम लगाऊंगी।

उन्होंने आखिरी में लिखा, द 50 1 फरवरी से जियोहॉटस्टार पर, एक नई शुरुआत का समय है, द 50, मैं आ रही हूं।शो द 50 एक बड़ा रियलिटी गेम शो है, जिसमें 50 मशहूर हस्तियां एक महल में रहकर अलग-अलग चुनौतियों में हिस्सा लेंगी। इसमें स्ट्रैटेजी, टास्क, ड्रामा और माइंड गेम्स का पूरा पैकेज होगा।शो के कुछ कंटेस्टेंट के नाम सामने आ चुके हैं, तो कुछ के नामों को लेकर अभी खुलासा नहीं हुआ है। अब देखना होगा कि इतने सेलेब्स के साथ यह शो दर्शकों के लिए कैसा रहेगा।शो में करण पटेल, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, प्रिंस नरूला, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और उर्वशी ढोलकिया समेत कई

अस्सी से सामने आई तापसी पन्नू की खौफनाक झलक, मौत के डर से भागती दिखीं अभिनेत्री

बॉलीवुड की थ्रिलर क्वीन तापसी पन्नू फिर दर्शकों की सांसें थामने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म अस्सी का पहला मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया है। इस पोस्टर में तापसी का एक ऐसा अवतार सामने आया है, जो डर, तनाव और जीने की तड़प को बयां कर रहा है। इस फिल्म के जरिए तापसी ने एक बार फिर निर्देशक अनुभव सिन्हा से हाथ मिलाया है।पोस्टर में तापसी बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए भागती नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर छाई चिंता और बैकग्राउंड का म्यूजिक साफ इशारा कर रहा है कि ये फिल्म एक जबरदस्त सर्वाइवल थ्रिलर होने वाली है। तापसी का किरदार एक ऐसी स्थिति में फंसा हुआ है, जहां हर सेकेंड मौत का साया उनके पीछे है। उनके दौड़ने का अंदाज बताता है कि ये सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि उनके जीवन की सबसे कठिन जंग है।तापसी ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा कर लिखा, बहुत समय हो गया... इसे सामान्य माने हुए बहुत समय बीत गया... मिलते हैं कोर्ट में 20 फरवरी को... मेरा मतलब है सिनेमाघरों में। तापसी के इस पोस्ट से जाहिर है कि फिल्म की कहानी किसी कानूनी लड़ाई, सामाजिक अन्याय या किसी ऐसे अपराध से जुड़ी है, जो समाज में सामान्य हो गया है। पोस्टर में धड़कनें तेज कर देने वाला संगीत मन में डर के साथ-साथ उत्सुकता पैदा करता है।तापसी और निर्देशक अनुभव सिन्हा की जोड़ी ने अस्सी से पहले दर्शकों को ऐसी फिल्में दी हैं, जिन्होंने न सिर्फ समीक्षकों का दिल जीता, बल्कि समाज को आईना दिखाने का काम भी किया है। साल 2018 में तापसी और अनुभव फिल्म मुल्क के लिए साथ आए थे और साल 2020 में उनकी बेहतरीन फिल्म थप्पड़ रिलीज हुई थी। अब एक्टर और डायरेक्टर की ये जोड़ी अस्सी के जरिए सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार हैं।अस्सी के धमाके के साथ-साथ तापसी के पास फिलहाल एक से बढ़कर एक फिल्में हैं। उनकी फिल्म गांधारी की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसकी निर्देशक और लेखिका कनिका ढिल्लों हैं। अनुभव और तापसी की जोड़ी अपनी कल्ट क्लासिक फिल्म मुल्क का सीक्वल लेकर आ रही है। मुल्क 2 में एक बार फिर सामाजिक न्याय और कड़वे सच की कहानी दिखाई जाएगी। इसके अलावा फिर आई हसीन दिलरूबा और वो लड़की है कहां भी तापसी के खाते में हैं।

श्री विष्णु की अगली फिल्म का शीर्षक विष्णु विन्यासम है, फरवरी में होगी रिलीज

मनोरंजन के बादशाह श्री विष्णु, जो अपनी अनूठी पसंद और दमदार मनोरंजन के लिए जाने जाते हैं, तेलुगु सिनेमा में अपना अलग ही मुकाम बनाए हुए हैं। फिलहाल वे श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज बैनर के तहत बन रही एक और अनूठी मनोरंजक फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पहली बार निर्देशक बने यदुनाथ मारुति राव कर रहे हैं और इसका निर्माण सुमंत नायडू जी कर रहे हैं। यह बैनर कंपनी की तीसरी फिल्म है। हेमा और शालिनी इस प्रोजेक्ट की मुख्य भूमिका में हैं, जबकि साई कृष्णा बोब्बा और रामाचारी एम सह-निर्माता के रूप में जुड़े हैं। फिल्म निर्माताओं ने आज एक एनिमेशन वीडियो के जरिए फिल्म के शीर्षक की घोषणा की, जिसमें फिल्म की पृष्ठभूमि भी दिखाई गई है। फिल्म निर्माताओं ने आज एक स्टाइलिश एनिमेटेड वीडियो के माध्यम से फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया, जिसमें इसके बैकग्राउंड की झलक भी मिलती है। शहरी परिवेश में फिल्माए गए इस वीडियो में श्री विष्णु को एक खास पीले रंग की मोटरसाइकिल पर शहर में तेजी से घूमते हुए दिखाया गया है, जो तुरंत ही फिल्म का मिजाज तय कर देता है।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस: भारत में 250 करोड़ से बस इतनी दूर है फिल्म, जानें 7वें दिन कितनी हुई कमाई

बॉर्डर 2 ने आज 30 जनवरी को अपनी रिलीज का पहला हफ्ता पूरा कर लिया है. फिल्म ने अपने पहले वीक में शानदार कलेक्शन किया है, हालांकि पहले वीकेंड के बाद फिल्म की कमाई में गिरावट आई. पांचवें और छठे दिन बॉर्डर 2 का कलेक्शन डाउन रहा है. मगर फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर स्ट्रॉन्ग कंडीशन में है. बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 के सामने रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म मर्दानी 3 भी रिलीज हो गई है. अब मर्दानी 3 का बॉर्डर 2 की कमाई पर कितना असर पड़ेगा कल पता चल जाएगा. इससे पहले जानते हैं बॉर्डर 2 ने अपने 7वें बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया है.32.10 करोड़ रुपये से खाता खोलने के बाद बॉर्डर 2 अपने पहले वीकेंड स्ट्रॉन्ग रही और आज से उसका दूसरा वीकेंड शुरू हो चुका है. दूसरे दिन फिल्म ने 40.59 करोड़ रुपये कमाए और तीसरे दिन यानी पहले रविवार फिल्म ने 57.20 करोड़ रुपये कमाकर शानदार वीकेंड पूरा किया था. बॉर्डर 2 ने भारत में पहले वीकेंड 129.80 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म ने रिपब्लिक डे पर सबसे ज्यादा 63.59 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली थी.पांचवें दिन मंगलवार को फिल्म ने 23.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया और छठे दिन बड़ी गिरावट के साथ 15.04 करोड़ रुपये कमाए. इसी के साथ बॉर्डर 2 का छह दिनों का नेट घरेलू ऑफिशियल कलेक्शन 231.83 करोड़ रुपये हो गया था.

गुनाशेखर की नई फिल्म यूफोरिया का टीजर रिलीज हुआ, 6 फरवरी को होगी रिलीज

प्रतिभाशाली निर्देशकों में गिने जाने वाले गुनाशेखर, जो बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने वाली फिल्में बनाने में नाकाम रहे हैं, लंबे अंतराल के बाद फिल्म यूफोरिया के साथ दर्शकों का स्वागत करने जा रहे हैं। फिल्म यूफोरिया का टीजर सोमवार को जारी किया गया। बताया जा रहा है कि गुनाशेखर इस फिल्म को एक नए कॉन्सेप्ट के साथ प्रोड्यूस कर रहे हैं। टीजर देखकर साफ है कि यूफोरिया युवाओं को नशे की लत से होने वाली समस्याओं पर आधारित है। नीलिमा गुनाशेखर फिल्म यूफोरिया को प्रोड्यूस कर रही हैं, जिसमें भूमिका, सारा अर्जुन और गौतम वासुदेव मेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 6 फरवरी को रिलीज होने वाली है। गुणशेखर, जिन्होंने अपने करियर में लाठी, सोगासु चूड़ातरमा, रामायणम (बाल कलाकारों के साथ), चुडलन्नी अथिला, मनोहरम, मृगाराजू, ओक्काडु, अर्जुन, सैनिकुडु, वरुडु, निप्पू, रुद्रमादेवी और शकुंतलम सहित 13 फिल्में बनाई हैं, ने विभिन्न शैलियों में फिल्में बनाई हैं। उन्होंने इनमें भारी सफलताओं और असफलताओं का अनुभव किया है।

प्रधानमंत्री द्वारा आदमपुर हवाई अड्डे को गुरु रविदास महाराज के नाम समर्पित करना सामाजिक समरसता की दिशा में ऐतिहासिक कदमः सीएम धामी

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आदमपुर हवाई अड्डे का नाम संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी के नाम पर समर्पित किया जाना, उनके महान विचारों, सामाजिक चेतना और मानवता के प्रति समर्पण को सच्ची श्रद्धांजलि है। संत रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर लिया गया यह निर्णय न केवल अत्यंत सराहनीय है, बल्कि सामाजिक समरसता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से समानता, करुणा, सेवा और मानव मात्र के सम्मान का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भेदभाव, ऊँच-नीच और असमानता के विरुद्ध आवाज उठाकर एक समतामूलक समाज की परिकल्पना प्रस्तुत की, जो आज के समय में भी पूरी तरह प्रासंगिक है। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में महापुरुषों और संतों के विचारों को सम्मान देने की परंपरा निरंतर सशक्त हो रही है। आदमपुर हवाई अड्डे को संत गुरु रविदास महाराज जी के नाम से जोड़ना, उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने और नई पीढ़ी को उनके विचारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय सामाजिक एकता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव को और अधिक मजबूत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि संत रविदास जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज समरसता, सद्भाव और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ेगा।

बदलते भारत की आकांक्षाओं का आर्थिक कवचः बत्रा

हरिद्वार संवाददाता. एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने कहा है कि संसद में पेश आम बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि यह बदलते भारत की आकांक्षाओं और वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूत आर्थिक कवच के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में भविष्य के भारत की तीन स्पष्ट धाराएं दिखाई देती हैं-शैक्षिक क्रांति, सामाजिक सुरक्षा और ढांचागत सुदृढ़ीकरण। इस बजट में 50,000 नई अटल टिंकरिंग लैब्स की घोषणा यह संकेत देती है कि सरकार अब डिग्री आधारित शिक्षा से आगे बढ़कर स्किल आधारित और रिसर्च-ओरिएंटेड शिक्षा को प्राथमिकता दे रही है। 10,000 नई मेडिकल सीटों का सृजन बड़ा कदम है।

संक्षिप्त समाचार...

आउटसोर्स कर्मचारी भर्ती में गड़बड़ी की जांच करवाए नगर निगम

देहरादून संवाददाता. नगर निगम देहरादून में 56 आउटसोर्स कर्मचारियों को काम से निकालने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नगर निगम कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार और अन्य पदाधिकारियों ने इस बात को लेकर हैरानी जताई है कि जो कर्मचारी विभिन्न अनुभागों में काम कर रहे हैं, उन्हें हटाने की संस्तुति अनुभागों के प्रभारी अधिकारियों ने कर दी। जबकि जो कई महीनों से निगम ही नहीं आ रहे, उनके खिलाफ न कोई जांच की जा रही है और न ही कोई कार्रवाई की गई। यूनियन ने नगर आयुक्त नमामी बंसल से मांग की है कि नियमों को ताक पर हर माह वेतन ले रहे कर्मचारियों के नाम उजागर कर निगम उन्हें बाहर का रास्ता दिखाए। उन्होंने कहा कि समस्त कर्मचारियों को निगम में बुलाकर पूछा जाए कि कौन कर्मचारी कहां काम कर रहा है। वहीं अफसरों और नेताओं के आवासों पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने का विरोध शुरू हो गया है।

परिवहन विभाग की गाड़ी के आगे लेटा मैजिक चालक

देहरादून संवाददाता. दून में परिवहन विभाग ने एक मैजिक का चालान कर सीज किया तो ड्राइवर ने हंगामा खड़ा दिया। विभाग की गाड़ी के आगे लेट कर रोने लगा। विभाग की टीम ने उसे किसी तरह से समझाया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा हो रहा है। चालक खुद मैजिक का मालिक और आरएसएस का शाखा कार्यवाह भी है। वीडियो रविवार दोपहर बाद का है।

धोखाधड़ी के आरोप में पूर्व सैनिक पर केस दर्ज

देहरादून संवाददाता. सेना के रिटायर लांस नायक के खिलाफ नौकरी के दौरान का पहचान पत्र रखने और अन्य धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज हुआ है। सेना के मेजर की शिकायत पर क्लेमनटाउन थाना पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ क्लेमनटाउन मोहन सिंह ने बताया कि मेजर विशाग सीपी ने तहरीर दी। कहा कि रिटायर लांस नायक प्रेम सिंह पुत्र लखपत सिंह निवासी गोपेश्वर, चमोली के पास सेना के सेवा काल का पहचान पत्र पाया गया। नियमानुसार सेवानिवृत्ति के बाद यह पहचान पत्र विभाग की संपत्ति होती है और इसे पास रखना कानूनन अपराध है।। इसके अतिरिक्त आरोपी के पास से दो कैंटीन स्टोर डिपार्टमेंट कार्ड भी मिले। जो नायक अब्बल सिंह और दिवंगत सिपाही प्रदीप सिंह की पत्नी जयंती देवी के नाम पर जारी थे। आरोपी इन कार्डों का उपयोग अवैध रूप से लाभ उठाने के लिए कर रहा था। एसओ मोहन सिंह ने बताया कि आरोपी पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन से निहाल हुई संगत

देहरादून संवाददाता. गुरुद्वारा नामधारी सभा की ओर से बसंत पंचमी और श्री सतिगुरु राम सिंह जी के प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन किया गया। रविवार को प्रेम नगर स्थित नामधारी गुरुद्वारे में प्रकाश पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह सवेरे गुरुद्वारे में स्कूली बच्चों ने कीर्तन किया। संत हरपाल सिंह लुधियाना वालों ने संगत को शबद कीर्तन से निहाल किया। संगत की ओर से निशान साहिब पर नए वस्त्र चढ़ाए गए। इस अवसर पर अमरजीत सिंह, गोविंद सिंह, देवेंद्र सिंह, रवि भाटिया, हरजीत सिंह, कंवलजीत कौर और निहाल सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

केन्द्रीय बजट में शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य व कौशल विकास पर फोकसः डॉ. धन सिंह रावत

- देशभर कर 15,000 स्कूलों व 500 कॉलेजों में स्थापित होंगी एवीजीसी कंटेंट लैब

- जिटल नॉलेज ग्रिड के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनेंगे युवा

देहरादून संवाददाता. सूबे के शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य और कौशल विकास को सशक्त बनाने वाला दूरदर्शी व सर्वसमावेशी बजट है। यह बजट युवाओं को भविष्य के लिये तैयार करने के साथ-साथ भारत को वैश्विक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डॉ. रावत ने बताया कि केन्द्रीय बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिये 1,39,289 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो गत वर्ष की तुलना में 8.27 प्रतिशत अधिक है। बजट में पाँच यूनिवर्सिटी टाउनशिप स्थापित करने का प्रावध ान किया गया है, जहाँ शोध, स्टार्ट-अप, नवाचार और इंडस्ट्री-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। ये संस्थान विद्यार्थियों को इंडस्ट्री-रेडी बनाने पर विशेष फोकस करेंगे। उन्होंने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी के सहयोग से देशभर के 15,000 विद्यालयों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट लैब स्थापित की जाएँगी। इसके साथ ही डिजिटल नॉलेज ग्रिड की स्थापना से छात्रों को उच्च गुणवत्ता की डिजिटल शिक्षा सामग्री उपलब्ध होगी, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक जनपद में एक-एक महिला छात्रावास (गर्ल्स हॉस्टल) की स्थापना से बालिका शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इस जन-कल्याणकारी बजट के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि केन्द्रीय बजट के अनुरूप राज्य स्तर पर ठोस प्रस्ताव तैयार किये जाएँ, ताकि प्रदेशवासियों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

स्वामी कामेश्वरानंद पुरी का विधिवत पट्टाभिषेक

हरिद्वार संवाददाता. ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी बालयोगी की स्मृति में सप्तसरोवर मार्ग स्थित तुलसी मानस मंदिर में श्रद्धांजलि सभा के साथ षोडशी भंडारा लगाया गया। संत समाज ने उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही, तेरह अखाड़ों के संतों की मौजूदगी में स्वामी कामेश्वरानंद पुरी का विधिवत पट्टाभिषेक किया गया। परंपरानुसार चादर विधि कराई गई। इसका संचालन जूना अखाड़े के पूर्व अंतरराष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत देवानंद सरस्वती ने किया। संतों ने ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी अर्जुन पुरी के तप, त्याग और सेवा से परिपूर्ण जीवन का स्मरण किया। उनके शिष्य स्वामी कामेश्वरानंद पुरी को गुरु परंपरा का उत्तरदायित्व संभालने पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय सभापति श्रीमहंत प्रेमगिरि, निर्मल अखाड़े के कोठारी महंत जसविंदर सिंह शास्त्री, जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता नारायण गिरि, महामंडलेश्वर ललितानंद गिरि, महेश पुरी, महामंडलेश्वर रामेश्वरानंद गिरि, महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरि, मातृ सदन के परमाध्यक्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती भी मौजूद रहे। स्वामी अर्जुन पुरी की कीर्ति विश्वविख्यात इस दौरान जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि स्वामी अर्जुन पुरी की कीर्ति विश्वविख्यात है। उनका जीवन तप, स्वाध्याय और सेवा को समर्पित रहा। महानिर्वाणी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर श्रीमहंत विशोकानंद ने कहा कि स्वामी अर्जुन पुरी ने तुलसी मानस मंदिर की स्थापना की थी। क्षेत्रीय विकास के लिए भी चिंतित रहते थे नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि वर्ष 2002 से लेकर आज तक हर चुनाव में उनको स्वामी अर्जुन पुरी का आशीर्वाद मिलता रहा। वे न केवल सनातन धर्म, बल्कि क्षेत्रीय विकास के लिए भी चिंतित रहते थे। मेयर किरण जैसल सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने भी स्वामी अर्जुन पुरी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

देश के विकास की नींव रखने वाला बजटः कौशिक

हरिद्वार संवाददाता. शहर विधायक मदन कौशिक ने कहा है कि आम बजट देश के विकास का बजट है। युवा, महिला, किसान, श्रमिक, व्यापारी, शिक्षा और स्वास्थ्य, हर क्षेत्र का समग्र रूप से ध्यान रखा गया है। यह बजट भारत को आगे बढ़ाने वाला साबित होगा। रविवार को आम बजट को लेकर व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच उत्साह देखने को मिला। शहर व्यापार मंडल मध्य हरिद्वार के अध्यक्ष मृदुल कौशिक के संयोजन में इसका सीधा प्रसारण देखा गया, जिसमें शहर विधायक समेत तमाम नेता भी पहुंचे। भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि यह बजट देश की उन्नति में मील का पत्थर साबित होगा। शहर व्यापार मंडल अध्यक्ष मृदुल कौशिक ने कहा कि आशा है कि इस बजट से व्यापारियों और आम नागरिकों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बलवीर, जिला महामंत्री हीरा बिष्ट, संजीव कुमार, गौरव पंकज, हर्षित त्रिपाठी, अनूप सिंह सिद्धू, दीपक अग्रवाल, राजेश कश्यप मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com